Roll. No. : .....

BAJY (N)-101

First Semester Examination, 2023 (Dec.)

[भारतीय ज्ञान परम्परा में ब्रह्माण्ड एवं काल विवेचन]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

2 × 19 = 38

1. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त का वर्णन कीजिये।

2. सूर्यादि नव ग्रहों का विवेचन करें।

3. तारों की उत्पत्ति एवं विनाश के बारे में लिखिये।

4. तिथियों के व्यावहारिक महत्व पर एक निबन्ध लिखिये।

5. नक्षत्र स्वरूप का वर्णन कीजिये।

अथवा

टिप्पणी लिखिये– (क) निहारिका, (ख) गोल एवं वर्ष

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

4 × 8 = 32

1. चन्द्रोत्पत्ति के सन्दर्भ में पाश्चात्य मत क्या है?

2. शनि के भौतिक स्वरूप का वर्णन कीजिये?

3. भारतीय ज्ञान परम्परा के बारे में लिखिये।

4. वामन ग्रह से आप क्या समझते है?

5. कलनात्मक काल से क्या तात्पर्य है?

6. सौर एवं चान्द्र मास को सैद्धान्तिक रूप से स्पष्ट कीजिये?

7. उल्का पिण्ड का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

8. ज्योतिषशास्त्रोक्त काल पर निबन्ध लिखिये।

****